



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 02, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2022)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

मृदा स्वास्थ्य कार्ड का संक्षिप्त विवरण

(*ऋषभ कुमार मौर्या एवं चंद्रकांत चौबे)

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ

*संवादी लेखक का ईमेल पता: maurvarishabh574@gmail.com

19 फरवरी, 2015 को राजस्थान के श्री गंगानगर जिले के सूरतगढ़ में राष्ट्रव्यापी 'राष्ट्रीय मृदा सेहत कार्ड' योजना का शुभारंभ देश के किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू किया गया था। इस योजना के अंतर्गत देश के किसानों की मृदा का गुणवत्ता परीक्षण करके फसल उत्पादकता बढ़ाने में कारगर सिद्ध हो रही है। तथा इसके तहत किसानों को एक कार्ड प्रदान किया जाता है, जिसमें खेती योग्य भूमि की सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध होती है तथा जिससे किसान इस योजना का लाभ उठाकर अच्छा उत्पादन प्राप्त करने में निरंतर सफलता हासिल कर रहे हैं और इस बार इस योजना को एक नया रूप देने के लिए एवं किसानों को इस योजना से और अधिक लाभान्वित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड की थीम **स्वस्थ धरा, खेत हरा** के नाम से संबोधित किया गया है। तथा इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश भर के किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के प्रति जागरूक करके मृदा के निरंतर बिगड़ते स्वस्थ एवं घटती हुई उत्पादकता को बनाए रखने के साथ-साथ जमीन को अधिक उपजाऊ बनाना है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने का अभिप्रायः

इस योजना के अंतर्गत काम करने वाले युवाओं या किसानों की आयु लगभग 40 वर्ष तक है जो प्रयोगशाला की स्थापना एवं नमूना परीक्षण कर सकते हैं। और प्रयोगशाला स्थापित करने में लगभग 5 लाख रुपए तक का खर्च आता है, जिसका लगभग 75 प्रतिशत केंद्र एवं राज्य सरकार वहन करती है। तथा स्वयं सहायता समूह, कृषक सहकारी समितियाँ, कृषक समूह या कृषक उत्पादक संगठनों के लिये भी यहीं प्रावधान है। इस योजना के तहत मृदा की स्थिति का आकलन नियमित रूप से राज्य सरकारों द्वारा हर 2 वर्ष में किया जाता है, ताकि पोषक तत्वों की कमी की पहचान के साथ ही सुधार लागू हो सकें।

उद्देश्यः

देश के सभी किसानों को प्रत्येक 3 वर्ष में मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करना अत्यंत आवश्यक है। ताकि उर्वरकों के इस्तेमाल में पोषक तत्वों की कमियों को पूरा करने का आधार प्राप्त हो सके। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के संपर्क में क्षमता निर्माण, कृषि विज्ञान के छात्रों को शामिल करके मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के क्रियाकलाप को सशक्त बनाना। राज्यों में मृदा नमूनों को एकीकृत करने के लिये मानकीकृत प्रक्रियाओं के साथ मृदा उर्वरता सम्बन्धी बाधाओं का



पता लगाना और विश्लेषण करना तथा विभिन्न जिलों में तालुका प्रखंड स्तरीय उर्वरक सम्बन्धी सुझाव तैयार करना। पोषक तत्वों का प्रभावकारी इस्तेमाल बढ़ाने के लिये विभिन्न जिलों में पोषण प्रबंधन आधारित मृदा परीक्षण सुविधा विकसित करना और उन्हें बढ़ावा देना। तथा पोषक प्रबंधन परंपराओं को बढ़ावा देने के लिये जिला और राज्यस्तरीय कर्मचारियों के साथ-साथ प्रगतिशील किसानों का क्षमता निर्माण करना।

Soil Health Card													
ICAR-National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (NBSS&LUP) Nagpur													
कृषि एवं सहकारिता विभाग कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार			मृदा आरोग्य पत्रिका			प्रयोगशाला का नाम			मृदा स्वास्थ्य अन्वेषण विभाग, भाकूअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर				
भाकूअनुप - राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर			किसान के विवरण			मिट्टी परीक्षण के परिणाम							
नाम	ग्रामांक	मिट्टी के गुण	परिमाण	मापक	दर-विवरण	मिट्टी के नमूने का प्रकार		समूने की संख्या		खेत का क्षेत्रफल (हेक्टर)			
पंचायत	PONCHAVADI	1	पीएच (1:2.5 का वजन)	4.9	Moderately acidic	समूने की संख्या	—	5	उपस्थित फॉस्फोरस (P)	20.8	किग्रा / हेक्टर	Medium	
तालुका	PONDA	2	ईपी (विद्युत् चालकता)	0.0	Negligible	नई संख्या	219	6	उपस्थित पोटैशियम (K)	142.8	किग्रा / हेक्टर	Medium	
जिला	SOUTH GOA	3	सॉडियम कार्बन (OC)	2.0	%	High	खेत का क्षेत्रफल (हेक्टर)	7.268	7	उपस्थित सल्फर (S)	33.5	किग्रा / किग्रा	High
		4	उपस्थित नाइट्रोजन (N)	155.9	किग्रा / हेक्टर	8	उपस्थित जस्ता (Zn)	0.4	किग्रा / किग्रा	Deficient			
		5	उपस्थित फॉस्फोरस (P)	20.8	किग्रा / हेक्टर	9	उपस्थित लौह तत्व (Fe)	11.5	किग्रा / किग्रा	Sufficient			
		6	उपस्थित पोटैशियम (K)	142.8	किग्रा / हेक्टर	10	उपस्थित मैंगनीज (Mn)	13.7	किग्रा / किग्रा	Sufficient			
		7	उपस्थित सल्फर (S)	33.5	किग्रा / किग्रा	11	उपस्थित तांबा (Cu)	1.1	किग्रा / किग्रा	Sufficient			
		8	उपस्थित जस्ता (Zn)	0.4	किग्रा / किग्रा	12	उपस्थित बोरेन (B)	0.5	किग्रा / किग्रा	Deficient			
		9	उपस्थित लौह तत्व (Fe)	11.5	किग्रा / किग्रा								
		10	उपस्थित मैंगनीज (Mn)	13.7	किग्रा / किग्रा								
		11	उपस्थित तांबा (Cu)	1.1	किग्रा / किग्रा								
		12	उपस्थित बोरेन (B)	0.5	किग्रा / किग्रा								
सामान्य अनुसंधारण													
1	सॉडियम खाद	20 t/ha	—										
2	जैव उर्वरक	—	—										
3	जिरासम	—	—										
विशेषित उपज के लिए उर्वरक अनुसंधारण													
क्रमिक	फसल	पुरिया	अवर.पी.	एच.ओ.पी.	सल्फर (S)	जस्ता (Zn)	लौह (Fe)	मैंगनीज (Mn)	तांबा (Cu)	बोरेन (B)			
1	धान	271 kg/ha	166 kg/ha	83 kg/ha	—	5 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			
2	काजी मिर्च	380 g/tree	183 g/tree	450 g/tree	—	10 kg/ha	—	—	—	5 kg/ha			
3	नींबू	1358 g/tree	1353 g/tree	833 g/tree	—	10 kg/ha	—	—	—	5 kg/ha			
4	गन्ना	679 kg/ha	416 kg/ha	250 kg/ha	—	10 kg/ha	—	—	—	5 kg/ha			
5	हल्दी	81 kg/ha	100 kg/ha	50 kg/ha	—	5 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			
6	अदरक	271 kg/ha	166 kg/ha	83 kg/ha	—	5 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			
7	मिर्च	271 kg/ha	200 kg/ha	66 kg/ha	—	5 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			
8	गाजर	67 kg/ha	250 kg/ha	100 kg/ha	—	—	—	—	—	—			
9	सोना	407 kg/ha	333 kg/ha	100 kg/ha	—	10 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			
10	उमर	407 kg/ha	333 kg/ha	125 kg/ha	—	10 kg/ha	—	—	—	2 kg/ha			

निष्कर्ष:

मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना जहाँ एक ओर किसानों के लिये वरदान साबित हो रही है, वहीं ग्रामीण युवाओं के लिये यह रोजगार का माध्यम भी बनी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड में उर्वरकों की फसलवार सिफारिशें मुहैया कराई जाती हैं और इसके साथ ही किसानों को यह भी बताया जाता है कि कृषि भूमि की उर्वरा क्षमता को किस प्रकार बढ़ाया जा सकता है। इससे किसानों को अपनी भूमि की सेहत जानने तथा उर्वरकों के विवेकपूर्ण चयन में मदद मिलती है। मृदा यानि कृषि भूमि की सेहत और खाद के बारे में पर्याप्त जानकारी न होने के चलते किसान आमतौर पर नाइट्रोजन का अत्यधिक प्रयोग करते हैं, जो न सिर्फ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता के लिये खतरनाक है बल्कि इससे भूमिगत जल में नाइट्रेट की मात्रा भी बढ़ जाती है। इससे पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न होती हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के जरिये इन समस्याओं से बचा जा सकता है।